मनोव्याधिकी का मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन

B.A - II - (H)

PAPER - III

PSYCHOLOGICAL ASSESSMENT OF PSYCHO-PATHOLOGY

मनोविज्ञान के अन्तर्गत मूल्यांकन शब्द का व्यवहार एक ऐसी प्रक्रिया के सन्दर्भ में किया जाता है, जिसके द्वारा मनोवैज्ञानिक या कोई व्यक्ति किसी सेवा चाहने वाले (client) या रोगी (patient) के सम्बन्ध में अपना अनुमान या आकलन लगाता है। मनोवैज्ञानिकों द्वारा मूल्यांकन (Assessment) को निम्न प्रकार से परिभाषित किया है! —

" मूल्यांकन वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा ऐसी सूचना एकत्र की जाती है, जिसका उपयोग महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए एक आधार के रूप में किसी निर्धारक अथवा ऐसे लोगों के द्वारा किया जाता है, जिन तक परिणामों को संचालित किया जाता है।"

" मूल्यांकन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा चिकित्सक रोगी के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हैं।"

~~(मरफी तथा डेविडशोफर के अनुसार, "मूल्यांकन वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा चिकित्सक रोगों के सम्बन्ध)~~

मरफी तथा डेविडशोफर के अनुसार, " मूल्यांकन का तात्पर्य सूचना के विभिन्न पक्षों के एवं समाकलन से है, जिससे मूल्यांकन किए जाने वाले व्यक्ति की वर्तमान स्थिति का समग्र मूल्यांकन हो सके।"

मनोव्याधिकी के मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन-प्रक्रिया के संघटक

मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन की प्रक्रिया एक जटिल प्रक्रिया है, जिसके कई संघटक हैं। कोर्फिल्ड तथा नियरचर्क ने चार संघटक बताए हैं जो निम्नलिखित हैं :-

1. प्रदत्त-योजना संघटक (Planning Data Coponent) मूल्यांकन प्रक्रिया का यह प्रथम संघटक योजना है। प्रत्येक चिकित्सक के लिए मूल्यांकन में दो बातों का ध्यान रखना आवश्यक होता है - (1) कि वह मूल्यांकन के आधार पर क्या जानना है ? (2) कि वह उसे किस प्रकार जान सकता है ? चिकित्सक उसी सीमा तक मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन में सफल हो पाता है जिस सीमा तक वह तथ्यों को जान पाता है।

2. प्रदत्त-संग्रह संघटक (Data Collecting Component):- मूल्यांकन आँकड़ों के संग्रह का सम्बन्ध प्रदत्त संग्रह संघटक से है। इस संघटक के अन्तर्गत रोगी या सेवार्थी के सम्बन्ध में निर्धारित जानकारी कैसे प्राप्त हो सकती है ? इस समस्या का समाधान किया जाता है।

3. प्रदत्त-संसाधन संघटक (Data Processing Component) :- मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण संघटक प्रदत्त-संसाधन संघटक है। मूल्यांकन आँकड़े का संग्रह होने के पश्चात चिकित्सक उनका संसाधन करते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाये तो वे प्रदत्त की व्याख्या

करते हैं और उन्हें प्राक्कल्पनाओं, प्रतिमाओं, संरचनाओं तथा निष्कर्षों के रूप में बदल देते हैं, जिससे सैद्धान्तिक मूल्यांकन के विकास अर्थात मानव-व्यवहार का वर्गीकरण, विवरण तथा भविष्यवाणी आदि प्राप्त हो पाते हैं।

4. प्रदत्त-संचारण संघटक (Data Communication Component) :— प्रदत्त-मूल्यांकन संयोजन के बाद संचारण की आवश्यकता होती है। प्रदत्त-संचारण के अन्तर्गत सूचना के मुख्य अंशों को संगठित करके उन्हें संचार के योग्य बनाया जाता है। मूल्यांकन परिणामों के संगठित प्रस्तुतिकरण का मनोवैज्ञानिक ~~प्रतिवेदन~~ प्रतिवेदन तैयार करते समय कई बातों को ध्यान में रखना होता है! —

(i) मूल्यांकन-प्रतिवेदन को मूल्यांकन के उद्देश्यों से संगत बनाने का प्रयास किया जाता है।

(ii) मूल्यांकन-प्रतिवेदन को यथासम्भव स्पष्ट बनाने का प्रयास किया जाता है।

(iii) मूल्यांकन-प्रतिवेदन को अधिक से अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया जाता है।

Next day

Hrishi Kesh lal
Deptt - Psychology.
B.M.C. Rahika.